

आवरा थारी माया रो पायो कोनी पार

आवरा थारी माया रो, पायो कोनी पार,
चमत्कार थारो मानियो ऐ दयालु मारी माय.....

आवाज जीरी बालकी जन्मी या रे भाग,
केसर कुंवर लाडली कहलाई मां आज,
आवरा थारी माया रो.....

सातो बींद आवीया, आवोजी रे द्वार,
धरती में पल होइए जगदंबा मोरी माय,
आवरा थारी माया रो.....

लुला थारे द्वार पे रोवे है दिन-रात,
पंगु पाव चलायो ऐ दयालु मारी माया,
आवरा थारी माया रो.....

ढोल नगाड़ा बाजता, जालर थारे द्वार,
भीड़ पड़े भक्ता री माता आवो थे बार,
आवरा थारी माया रो.....

दूर-दूर रा जातरी, करता जय जयकार,
थारी जोत जगाई ऐ जगदंबा थारे द्वार,
आवरा थारी माया रो.....

धरम तवर री विनती, सुणजे माता,
आज हेले मारे आइजीए ऐ, जगदंबा मोटी माया ,
आवरा थारी माया रो.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28310/title/aavra-thari-maya-ro-payo-koni-paar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |